

कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट में भविष्य संवारे

नई दिल्ली, 31 अगस्त (सवेरा): दी इंस्टीच्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, जो कि पार्लियामेंट द्वारा पारित एक्ट (कॉस्ट एंड वर्कर्स अकाउंटेंट्स एक्ट, 1959) के अंतर्गत स्थापित एक संस्था है, इसके द्वारा कॉस्ट एंड मैनेजमेंट परीक्षा का संचालन किया जाता है। कोर्स का ढांचा श्री टायर सिस्टम है, जिसमें फाऊंडेशन, इंटरमीडियेट तथा फाइनल कोर्स की परीक्षाएं संचालित की जाती हैं। फाऊंडेशन कोर्स के लिए न्यूनतम पात्रता कक्षा 12वीं उत्तीर्ण है, इसके अतिरिक्त कोई विद्यार्थी अंडर ग्रेजुएट तथा ग्रेजुएट कोर्स करते हुए भी फाऊंडेशन कोर्स करने के लिए पात्र है। फाऊंडेशन कोर्स की परीक्षा वर्ष में 4 बार तथा इंटरमीडियेट और फाइनल की परीक्षाएं वर्ष में 2 बार माह जून और दिसंबर में संचालित की जाती हैं। इंटरमीडियेट कोर्स की परीक्षा में प्रवेश के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता निम्न में से कोई एक होनी चाहिए। (सी.एम.ए.) फाऊंडेशन परीक्षा उत्तीर्ण, ग्रेजुएट (एकैडमिक) उत्तीर्ण, ग्रेजुएट इंजीनियरिंग (उत्तीर्ण एवं अध्ययनरत दोनों), कंपनी सैक्रेटरीज ऑफ इंडिया की फाऊंडेशन परीक्षा उत्तीर्ण, चार्टर्ड

अकाउंटेंट ऑफ इंडिया की आई.पी.सी.सी. परीक्षा उत्तीर्ण। फाऊंडेशन परीक्षा में थ्योरी के 4 पेपर्स होते हैं, तथा इंटरमीडियेट परीक्षा में 2 ग्रुप्स में 8 पेपर्स होते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थी को कम्प्यूटर्स, कम्युनिकेशन स्किल, पर्सनैलिटी डिवैलपमेंट, गुप डिस्कशन, औद्योगिक टूर, सैमीनार, कांफ्रेंस, मॉक इन्टरव्यू आदि में प्रशिक्षण दिया जाता है, और उसे भविष्य में कार्य स्थल पर मिलने वाली परिस्थितियों और चुनौतियों से सामना करने के लिए तथा रिजल्ट ओरिएंटेड एप्टीच्यूड के लिए तैयार किया जाता है। उसके अतिरिक्त विद्यार्थी को प्रैक्टिशनर फर्म के साथ काम करने की भी अनिवार्यता होती है। फर्म में काम करने के अनुभव प्रमाण-पत्र के बाद ही विद्यार्थी फाइनल परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्र होता है। इस प्रकार से विद्यार्थी में मेहनत, मोटीवेशन, आत्मविश्वास, कम्युनिकेशन स्किल देने की कौशिश की जाती है। कॉस्ट ऑडिट, इंटरनल ऑडिट, वैट ऑडिट, एक्साइज ऑडिट, फाईनैशियल कंट्रोल आदि क्षेत्रों में प्रैक्टिस के पर्याप्त अवसर हैं। अधिक विस्तृत जानकारी के लिए इंस्टीच्यूट की वेबसाइट पर सम्पर्क किया जा सकता है।